Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा- दसवीं
विषय- हिन्दी व्याकरण शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक- सरस हिन्दी व्याकरण नौं एवं दस

उपविषय - कारक

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण की पृष्ठ संख्या 230 पर दिए 'कारक' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज का हमारा विषय कारक है। इसलिए आप सभी विषय को समझने के लिए तैयार हो जाएँ। हम आज कारक की परिभाषा, भेद तथा वाक्य में से कारक की पहचान करना सीखेंगे।

'कारक' शब्द का शाब्दिक अर्थ है करने वाला अर्थात् क्रिया को पूरी करने में किसी न किसी भूमिका को निभाने वाला।

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से पता चले उसे कारक कहते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन छपे अंशों पर ध्यान दीजिए :-

1. लड़की पुस्तक पढ़ रही है। 2. सचिन ने पुस्तक पढ़ी।
3. दिनेश ने नौकर को बुलाया 4. वह कलम से लिखता है।
5. कमल ने बड़े भाई के लिए कपड़े खरीदे।
6. दिव्य ने छोटे भाई को रुपए दिए 7. पेड़ से पत्ता गिरा।
8. मोहन कमरे में सो रहा है।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('कारक')

उपर्युक्त वाक्यों में संज्ञा का क्रिया से संबंध बताने के लिए कुछ चिह्नों जैसे ने, को, से, के लिए, में आदि का प्रयोग हुआ हैं। इन्हें परसर्ग,(कारक चिह्न) या विभक्ति चिह्न भी कहा जाता हैं। कभी-कभी कुछ वाक्यों में कुछ शब्दों के साथ परसर्ग का प्रयोग नहीं होता हैं। जैसे सोहन दूध पीता हैं।

कारक के भेद

कारक के आठ भेद हैं :-

1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. सम्बन्ध कारक 7. अधिकरण कारक और 8. सम्बोधन कारक।

1. कर्ता कारक - क्रिया को करने वाला ही कर्ता कहलाता हैं। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं। जैसे :-

(क) राधा ने गीत गाया। (ख) श्याम खेलता हैं।

उपर्युक्त उदाहरणों में राधा के साथ 'ने' विभक्ति का प्रयोग हुआ है और श्याम के साथ कोई विभक्ति नहीं हैं। कर्ता कारक का प्रयोग दोनों प्रकार से होता हैं।

2. कर्म कारक - शब्द के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़ता हैं, उसे 'कर्म कारक' कहते हैं। कर्म कारक की विभक्ति 'को' हैं। जिसका प्रयोग प्राय: प्राणिवाचक संज्ञाओं के साथ ही किया जाता हैं। जैसे :-

(क) अध्यापक ने बच्चों को पढ़ाया। (बच्चों को 'कर्म कारक)

कभी-कभी 'को' विभक्ति के बिना भी कर्म कारक होता हैं जैसे :- (ख) सुरेश ने पत्र लिखा। ('पत्र' कर्म कारक)

3. करण कारक - 'करण' का अर्थ साधन होता हैं। अर्थात् जिसके द्वारा कार्य किया जाए। इसका सीधा संबंध क्रिया के साथ होता हैं। कर्ता जिसकी सहायता से कार्य संपन्न

करता है। वह पद 'करण कारक' होता है। इसका विभक्ति चिह्न 'से', 'के द्वारा' है जैसे :-
बच्चा चम्मच से खीर खाता है।
उसने चाकू के द्वारा खरबूज़ा काटा।

4. संप्रदान कारक - संप्रदान का अर्थ है 'देना'। जिसे कोई वस्तु प्रदान की जाए या जिसके लिए कोई क्रिया की जाए, उसे 'संप्रदान कारक' कहते हैं। इसके विभक्ति चिह्न को, के लिए है जैसे :-
हमने गरीबों को वस्त्र दिए।
मैं अपने छोटे भाई के लिए खिलौना लाया।

5. अपादान कारक - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पृथक्ता (अलग होने का), दूरी का, तुलना का, निकलने का, डरने का, सीखने का, लज्जित होने का बोध हो, उसे अपादान कारक कहते हैं। जैसे :-
पेड से फल गिरा। (पृथक्ता), चूहा बिल्ली से डरता है। (डर)
मेरा घर स्कूल से बहुत दूर है। (दूरी), दिव्या रमा से अच्छा गाती है। (तुलना), मैंने माँ से खाना बनाना सीखा। (सीखने)
राधा बड़ों से शर्माती है। (लज्जा का)

6. संबंध कारक - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध ज्ञात हो, उसे संबंध कारक कहते हैं। इसके परसर्ग हैं - का, के, की, रा रे री, ना, ने नी।
जैसे :- यह सीता का पुत्र है। मेरा घर दिल्ली में है।
अपने पास एक मकान है। वह तुम्हारे घर गया है।

7. अधिकरण कारक - अधिकरण का अर्थ है आधार या आश्रय। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के आधार (स्थान, समय, अवसर आदि) का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसके विभक्ति चिह्न हैं - में, पर।
जैसे :- मछली पानी में रहती है।
मेज़ पर पुस्तक रखी है।

8. संबोधन कारक - संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने, बुलाने, सुनाने या सावधान करने के भाव का बोध होता है, उसे संबोधन कारक कहते हैं। इसके विभक्ति चिह्न हे, अरे, अजी आदि हैं।
जैसे :- हे लड़के! इधर आओ।
अरे बच्चो! शांत हो जाओ।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के लिए रूकेंगे तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न 1. कारक किसे कहते हैं ? कारक के कितने भेद हैं ?
प्रश्न 2. अधिकरण कारक का विभक्ति चिह्न लिखिए।
प्रश्न 3. निम्नलिखित रंगीन शब्दों के कारक बताइए :-
(क) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
(ख) पीड़ितों को दान दो।

बच्चो! उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने इन प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप और कार्य से उसका संबंध वाक्य में क्रिया से जाना जाता है, उसे 'कारक' कहते हैं। जैसे :- तुम मेज़ से काग़ज़ निकालकर कुर्सी पर बैठकर कलम से अपने पिता को पत्र लिखो। कारक के आठ भेद हैं।
उत्तर 2. अधिकरण कारक का विभक्ति चिह्न हैं - में, पर।
उत्तर 3. (क) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। अपादान कारक
(ख) पीड़ितों को दान दो। संप्रदान कारक

बच्चो! कारक की परिभाषा, भेद जान लेने के बाद कारक तालिका आगे दी जा रही है। इससे आप कारक को और अच्छे ढंग से समझ पाएँगे।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (कारक)

कारक तालिका

कारक	पहचान / परिभाषा	कारक चिह्न / परसर्ग	प्रयोग / उदाहरण
कर्ता	क्रिया को करने-वाला	ने शून्य (०)	राम ने खाना खाया। राम चला गया।
कर्म	जिस पर क्रिया का फल या प्रभाव पड़े	को शून्य (०)	मैं श्याम को पत्र लिखूँगा। वह पत्र पढ़ेगा।
करण	जिस साधन से क्रिया हो	से के द्वारा	श्याम कलम से लिखता है। उसे पत्र के द्वारा सूचना भेज दो
संप्रदान	जिसके लिए कुछ किया / दिया जाए	को, के लिए	गरीबों को वस्त्र दो। मैं पिता जी के लिए कमीज लाया हूँ।
अपादान	जिसमें पृथकता हो	से (अलगाव)	पेड़ से पत्ता गिरता है।
अधिकरण	जो क्रिया का आधार हो	में, पर	इस थैले में कपड़े हैं। मेज़ पर किताब है।
संबंध	क्रिया से भिन्न किसी अन्य पद से संबंध को सूचित करने वाला	का, के, की रा, रे री	राम का भाई, उसके बेटे, गीता की तुम्हारा मित्र, मेरी बहन, तुम्हारे सभी बच्चे।
संबोधन	जिसे पुकारा जाए	हे, अरे	हे भगवान! रक्षा करो। अरे! तुम आ गए।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (कारक)

बच्चो! आशा करती हूँ कि आपको कारक की पूर्ण जानकारी हो गई होगी। इसकी सहायता से आप कारक की पहचान आसानी से कर सकते हैं। सभी छात्र पुनः इसे पढ़ेंगे व समझेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र पुस्तक की पृष्ठ संख्या 231 पर दिए अभ्यास का प्रश्न - 'रेखांकित शब्दों के कारक बताएँ' को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]